बांका दैनिक जागरण 02.06.15 page-6

'प्रखंड में 411 एकड़ में होगी श्री विधि से धान की खेती'

संवाद सूत्र, धोरैया, (बांका) : खरीफ महोत्सव को लेकर सभा भवन में सोमवार को एक दिवसीय कृषि प्रशिक्षण महाउपादन वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कृषि विभाग आत्मा द्वारा आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ प्रमुख अन्नु आर्या एवं कृषि वैज्ञानिक संजय कुमार, अनुमंडल कृषि पदाधिकारी रामचंद्र यादव ने संयुक्त रूप दीप जलाकर किया।

मौके पर प्रमुख अन्नु आर्या ने कहा कि सरकार द्वारा किसानों के हित में कई कल्याणकारी योजनाएं चला रही है। जिससे किसान लाभांवित हो रहे हैं। उन्होंने किसानों से कृषि वैज्ञानिक द्वारा बताए गए तकनीक से ही खेती करने की अपील की। वहीं अनुमंडल कृषि पदाधिकारी श्री यादव ने इस वित्तीय वर्ष के विभिन्न योजनाओं के संदर्भ में किसानों को जानकारी दी। बताया कि धान फसल के कुल अच्छादन का लक्ष्य धोरैया में 11 हजार 27 हेक्टेयर में रखा गया है। जिसमें श्रीविधि तकनीकी से 411 एकड़ में धान की खेती एवं 75 हेक्टेयर में सुगंधित धान प्रत्यक्षण लक्ष्य निर्धारित है। उन्होंने बताया कि चार से नौ जून तक उपादन का वितरण कृषकों के बीच होगा। कृषि वैज्ञानिक संजय कुमार मंडल ने किसानों को खेती के गुर सिखाये। खेती के दौरान रसायनिक खाद के साथ-साथ जीवाणु खाद का भी प्रयोग करने की बात कही। कृषि वैज्ञानिक ने बताया कि वर्षा अच्छादित कृषि विज्ञान केन्द्र में तीन प्रजाति के धान उपलब्ध है। इसके अलावे राजेन्द्र मंसूरी एवं श्वेता सिंचित अवस्था में लगा सकते हैं।

कार्यक्रम में उप प्रमुख असलम खान, बीएओ मनोज कुमार सिंह, बीटीएम मिथिलेश कुमार, कृषि समन्वयक उत्तम कुमार, नित्यानंद कुमार, मधुकर तिवारी आदि मौजूद थे।

धोरैया में खरीफ महोत्सव का शुभारंभ करती प्रमुख । जागरण

कार्यक्रम का किया विरोध

प्रशिक्षण शुरू होते ही किसान सलाहकारों ने प्रशिक्षण हॉल में प्रवेश कर विरोध किया। इस क्रम में किसान सलाहकार व किसानों के बीच प्रशिक्षण में तू-तू मैं-मैं भी हुआ। जिससे प्रशिक्षण कुछ देर के लिए बाधित रहा।

प्रभात खबर \ कटोरिया आसपास दिनांक 02 जून 2015

मिली जानकारी . प्रखंड स्तरीय खरीफ कार्यशाला आयोजित

श्रीविधि से खेती करें किसान

9373 हेक्टेयर जमीन में 1286 मक्का की खेती के लिए, 82 हेक्टेयर अरहर के लिए व1809 हेक्टेयर में संकर धान का लक्ष्य.

प्रतिनिधि, चांदन

कार्यशाला में उपस्थित कृषि पदाधिकारी व अन्य. ■ फोटो । प्रभात खबर

प्रखंड परिसर के ई-किसान भवन में कृषि प्रौद्योगिकी आत्मा बांका के द्वारा प्रखंड स्तरीय खरीफ कार्यशाला 2015 का उद्घाटन प्रखंड प्रमुख पलटन यादव ने किया. कार्यशाला में उपस्थित किसानों को बेहतर खेती के लिए कई टिप्स दिये गये. इसमें मुख्य रूप से श्रीविधि धान के उत्पादन एवं कीटाणुओं से सुरक्षा संबंधी जानकारी वीटीएम शिव कुमार के द्वारा दी गयी. उन्होंने कहा कि श्रीविधि धान की खेती के लिए 8 से 12 दिन का लगा बिचड़ा, दस इंच की दूरी पर एक-एक बिचड़ा लगाना. एक एकड में दो किलो ग्राम बीज का उपयोग, फसल में शून्य से एक इंच तक पानी रहना, एक बिचड़ा से 40 से 70 कानी निकलता है एवं दो से तीन गुना ज्यादा उत्पादन होता है. बीमारी से धान के फसल का नुकसान गंदी कीट, तना में दाग, भूरा व हरा मधुआ कीट, फॉल्स स्मट, सीट, फ्लोआइट आदि शामिल हैं. प्रखंड कृषि पदाधिकारी धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि प्रखंड क्षेत्र में धान की खेती के लिए 9373 हेक्टेयर जमीन, 1286 मक्का की खेती के लिए, अरहर 82 हेक्टेयर व शंकर धान 1809 हेक्टेयर का लक्ष्य है.

मौके पर बीडीओ श्याम कुमार, कृषि पदाधिकारी धर्मेंद्र कुमार, कृषि समन्वयक रूपेश कुमार आजाद, जगदीश नारायण, राकेश कुमार, कमलजीत, नम्रता सिंह, शैलेंद्र मौर्य, किसान उमेश यादव, मिथलेश राय, ममलेश्वर राय, श्यामलाल यादव, पारसमणि पांडेय, संतोष कुमार यादव, गौतम राय, पैक्स अध्यक्ष कमलेश्वरी यादव, कृष्णा सिंह आदि मौजूद थे.

4 | दैनिक जागरण भागलपुर, 4 जून 2015

मैंथा ने बदली किसान की तकदीर

कुमुद रंजन राव, बांका

एक टीवी सीरियल की प्रेरणा से किसान सुभाष साह की तकदीर बदल गयी है। उन्होंने धान गेहूं की खेती को छोड़ कर औषधीय पौधे मैंथा की खेती की। इससे उसकी आर्थिक स्थिति कुछ हद तक सुधर गयी है। इससे अन्य किसान भी इसकी खेती करने में जुट गये है।

सकहारा पंचायत के खजूरकोरामा ग्राम निवासी सुभाष मैंथा खेती की शुरूआत फरवरी 2014 से की थी। 10 एकड़ में पहले मैंथा लगाया। बताया कि एक एकड़ खेती में 10 हजार की लागत पड़ता है। व्यापारी खगड़िया सहित अन्य जिले से आकर स्वयं मैंथा का तेल ले जाते है। इस कारण तेल बिक्री के लिए बाजार की भी जरूरत नहीं होती है। नगदी खेती होने से अन्य किसान भी इससे प्रभावित हो रहे है।

इस संदर्भ में अरविंद सिंह, विन्देश्वरी सिंह ने बताया कि मैंथा की खेती करने वाले सुभाष रजौन प्रखंड का प्रथम किसान है। जिन्होंने औषधीय खेती कर किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रेरित किया है। ग्रामीणों की मानें तो इस खेती को और बढ़ावा मिलना चाहिए। जिससे किसानों का रुझान इस ओर हो। इससे कई तरह के तेल, पीपरमेंट, साबुन सहित अन्य सामग्री तैयार किया जाता है।

रजौन औषधिय पौधे को दिखते किसान। जागरण

02 जून 2015 हिन्दुस्तान कटोरिया/बेलहर

page-6 02.06.2015

कृषक प्रशिक्षण सह खरीफ महोत्सव आयोजित

धोरैया। प्रखंड मुख्यालय स्थित सभा भवन में सोमवार को खरीफ महोत्सव 2015 को लेकर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण सह उपादान वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उदघाटन प्रमुख अन्नु आर्या एवं कृषि वैज्ञानिक संजय कुमार मंडल ने संयुक्त रुप से किया। मौके पर अनुमंडल कृषि पदाधिकारी रामचंद्र यादव ने इस वित्तीय वर्ष में कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के संदर्भ में विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि इस बार धान के फसल के कुल अच्छादन का लक्ष्य 11 हजार 27 हेक्टेयर रखा गया है। उपादान का वितरण 4 जून से 9 जून तक कृषकों के बीच किया जाना है। वहीं कृषि विज्ञान केंद्र बांका के वैज्ञानिक संजय कुमार मंडल ने वैज्ञानिक तरीके से खेती पर जोर दे हुए खेतों में रसायनिक खाद तथा समय समय पर जीवाणु खाद का ही प्रयोग करें। इससे उपज में वृद्धि है उधर किसान सलाहकारों द्वारा कार्यक्रम का विरोध जारी रहा। इस अवसर पर उपप्रमुख असलम खान, बीएओ मनोज कुमार, उत्तम कुमार, नित्यानंद प्रसाद, संजीव कुमार, कुमार सदाशिव आदि थे।